

चल खाटू चलिए | by Vinit Rajvanshi

गायरस की है पावन रात
बन जाएगी बिगड़ी बात
चल खाटू चलिए

अपना लो श्याम मुझे अब तो
मेरा कोई नहीं है तेरा सिवा
तेरे दर्शन को तड़पा हूँ
तेरे दर्श ही बाबा मेरी दवा
खाटू का दरबार जिसमे बैठा लखदातार
चल खाटू चलिए

झूठी दुनिया है ये सारी
यहाँ कोई नहीं है अपना सगा
जिस पर भी भरोसा मैंने किया
उसने ही दिया है मुझको दगा
नाव मेरी मझधार बाबा कर ही देगा पार
चल खाटू चलिए

लाखों को तारा है तुमने
मुझको भी पार लगाओ प्रभु
थक हार गया है विनीत तेरा
मेरे श्याम सांवरे आओ प्रभु
करता है करामात देता हारे का है साथ
चल खाटू चलिए

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%8f-by-vinit-rajvanshi/>